लोकमत समाचार

ग्लोबल वार्मिंग में भारत का योगदान कम : गोस्वामी

नीरी ने मनाया अपना 66 वां स्थापना दिवस

नागपुर : कॉटन विश्वविद्यालय, गुवाहाटी के भौतिकी विभाग के प्रो. बी.एन. गोस्वामी ने कहा कि प्रति व्यक्ति आधार पर अन्य देशों की तुलना में भारत ने ग्लोबल वार्मिंग में बहुत कम योगदान दिया है. वे सोमवार को सीएसआईआर-नीरी के 66 वें स्थापना दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे. इस अवसर पर डीआरडीओ, रक्षा मंत्रालय के महानिदेशक-जीवन विज्ञान डॉ. उपेंद्र कुमार सिंह मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित थे. इस अवसर पर सीएसआईआर-नीरी स्टाफ क्लब द्वारा जीएसके ब्लड सेंटर के सहयोग से रक्तदान शिविर भी आयोजित की गई.

डॉ. गोस्वामी ने कहा कि वैश्विक मुद्दों से निपटने से पहले हमें स्थानीय मुद्दे सुलझाने होंगे. उन्होंने वातावरण में मौजूद कार्बन डाईऑक्साइड के स्तर को खतरे की घंटी बताई. उन्होंने वायुमंडल की तुलना में

समुद्र से कार्बन निकालना सस्ता और बेहतर विकल्प बताया. डॉ. सिंह ने कहा कि भारत में 2030 तक विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की क्षमता है. उन्होंने 'वन हेल्थ' अवधारणा की भी सराहना की. सीएसआईआर-नीरी के निदेशक डॉ. अतुल वैद्य ने स्वागत भाषण में संस्था के कार्यों के बारे में बताया. संचालन वैज्ञानिक डॉ. कविता गांधी ने किया. आभार वैज्ञानिक प्रकाश कुंभारे ने माना. नीरी के अधिकारियों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए स्थापना दिवस पुरस्कार से सम्मानित किया गया. इस मौके पर साइंस मॉडल स्पर्धा भी हुई. जिसमें विद्यार्थियों ने भाग लिया. विजेताओं को पुरस्कृत किया गया.